मगरमच्छ

मगर

आईयूसीएन (IUCN) स्थितिः असुरक्षित

पर्यावास
ताज़ा पानी और खारे पानी का पारिस्थितिकी तंत्र

प्रजनन
अंडे देनाः फरवरी – अप्रैल
अंडे से शावक निकलनाः
अप्रैल – जून

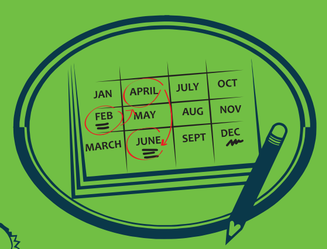

प्रजनन आयु

- निशाचर लेकिन दिन के समय शिकार करने में सक्षम
- ताज़ा पानी वाली झीलों, नदियों और दलदलों में रहता है
- ज़मीन और पानी दोनों में जीवित रहने में सक्षम
- आसानी से दिखाई नहीं देता; ज़मीन पर अच्छे से छलावरण करता है और पानी में छिपा हुआ रहता है
- ठंडे रक्त का जीव; सूरज की रोशनी से गरमाहट लेने के लिए तालाब/नदी के किनारे आराम करता है
- गर्म और ठंडा तापमान होने पर बिल खोदता है
- कम दूरी में अचानक तेज़ दौड़ लगाने में सक्षम
- अत्यंत पैने दांत; जानवरों में सबसे तेज़ काटता है
- घात लगाकर शिकार करता है; शिकार के पास आने का इंतज़ार करता है और फ़िर, अचानक आक्रमण करता है
- उकसाने पर आक्रामक हो सकता है

औसत जीवनकाल

घड़ियाल

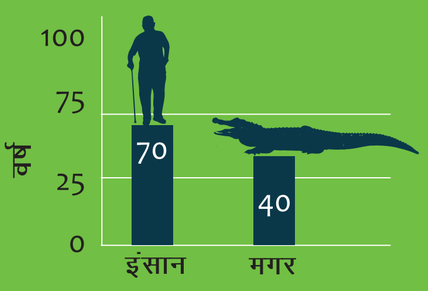

आईयूसीएन (IUCN) स्थितिः गंभीर रूप से विलुप्तप्राय

- इंसानों को कोई ख़तरा नहीं; मछलियों का शिकार करते हैं
- इनकी नाक पर बल्ब जैसी उपज होती है जिसका अकार 'घड़े' जैसा होता है; इसलिए इसे घड़ियाल कहा जाता है
- इसकी उपस्थिति का अर्थ होता है कि नदी/झील का पानी स्वच्छ है
- ज़मीन पर लंबी दूरी तय नहीं कर पाता है अपने बचाव के लिए दूसरी नदियों/झीलों में चला जाता है
- आबादी में तीव्र कमी; गंभीर रूप से विलुप्तप्राय

खारा पानी मगरमच्छ

आईयूसीएन (IUCN) स्थितिः ख़तरे से बाहर

- मुख्यतः भारत के पूर्वी तटों और अंडमान निकोबार द्वीप समूह में पाया जाता है; खाड़ियों के नमकीन पानी में रहता है
- भारत में दुर्लभ; 1960 के दशक में शिकार और इसके पर्यावास का विनाश होने के कारण इसकी आबादी में तेजी से कमी आई
- मगर और घड़ियाल के विपरीत यह वनस्पति से ढके टीलों पर अपना घोंसला बनाता है

भारत में केवल ओडिशा राज्य में मगरमच्छ की सभी 3 प्रजातियां मिलती हैं

क्या आप जानते हैं?

- नदी/झील में मगर होने का अर्थ है कि वहां का पानी स्वच्छ है
- पर्यावास छिन जाने, शिकार बनने और प्रतिशोध के कारण मार दिए जाने की घटनाएं मगर की आबादी के लिए ख़तरा साबित होती हैं
- खेती के लिए मैन्ग्रोव हटाए जाना और मत्स्यपालन इनका पर्यावास छीन लेता है
- सूखे के समय ये नदी/झील की तलाश में लंबी दूरी तय करने में सक्षम होते हैं
- एक समय ऐसा भी था जब मगरों की प्रचुर उपस्थिति थी लेकिन आज इनकी आबादी गंभीर रूप से घट चुकी है
- इनकी चमड़ी और मांस के लिए इनका शिकार किया जाता है
- लोगों द्वारा मगरमच्छ वाले इलाकों में मवेशी चराना इंसानों और मगरमच्छ के संघर्ष को जन्म देता है
- बाड़ के समय, मगरमच्छ शहरी रास्तों और घरों में घुस जाते हैं; ख़ासकर, मगर जो बारिश के मौसम में बने छोटे अस्थाई तालाबों द्वारा यात्रा करने में सक्षम होते हैं
- इनके शावकों का लिंग ऊष्मायन के समय तापमान पर निर्भर करता है

भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन पर भारत–जर्मनी सहयोग
2017 – 2023
भारत में मनुष्य–वन्य जीव संघर्ष शमन के संबंध में सामंजस्यपूर्ण सहास्तित्व पद्धति का क्रियान्वयन

german cooperation DEUTSCHE ZUSAMMENARBEIT
Implemented by giz Deutsche Gesellschaft für Internationale Zusammenarbeit (GIZ) GmbH
Ministry of Environment, Forest and Climate Change Government of India
Forest Department Karnataka
उत्तराखण्ड वन विभाग
Directorate of Forests Government of West Bengal
Centre for Environment Communication – Environment is First
आज़ादी का अमृत महोत्सव
LiFE Lifestyle for Environment
G20 भारत 2023 INDIA